॥ सुब्रह्मण्यस्तोत्रम् २ ॥

Sanskrit Document Information

Text title : subrahmaNyastotram 2

File name : subrahmaNyastotram2.itx

Location : doc_subrahmanya

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Proofread by : Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhyA 211

Latest update : February 20, 2017

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : http://sanskritdocuments.org

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

February 21, 2017

sanskritdocuments.org

॥ सुब्रह्मण्यस्तोत्रम् २ ॥

श्रीगणेशाय नमः ॥

शरणागतमातुरमाधिजितं करुणाकर कामद कामहतम् ।
शरकाननसम्भवचारुरुचे परिपालय तारक मारक माम् ॥ १॥

हरसारसमुद्भव हैमवतीकरपल्लवलालित कम्रतनो ।
मुरवैरिविरिञ्चिमुदम्बुनिधे परिपालय तारक मारक माम् ॥ २॥

गिरिजासुत सायकभिन्नगिरे सुरसिन्धुतनूज सुवर्णरुचे ।
शिशिजाशिखानल वाहन हे परिपालय तारक मारक माम् ॥ ३॥

जय विप्रजनप्रिय वीर नमो जय भक्तजनप्रिय भद्र नमः ।
जय देव विशाखकुमार नमः परिपालय तारक मारक माम् ॥ ४॥

पुरतो भव मे परितो भव मे पथि मे भगवन् भव रक्ष गतम् ।
वितराजिषु मे विजयं भगवन् परिपालय तारक मारक माम् ॥ ५॥

शरदिन्दुसमानषडाननया सरसीरुहचारुविलोचनया ।
निरुपाधिकया निजबालजया परिपालय तारक मारक माम् ॥ ६॥

इति कुक्कुटकेतुमनुस्मरतः पठतामपि षण्मुखषट्कमिदम् ।
नमतामपि नन्दनमिन्दुभृतो न भयं क्वचिदस्ति शरीरमृताम् ॥ ७॥

इति सुब्रह्मण्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Proofread by Pallasena Narayanaswami ppnswami at gmail.com

.. subrahmaNyastotram 2 ..
was typeset using XƎLaTeX 0.99996
on February 21, 2017

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*